यीशु ने बहत्तर धर्मप्रचारकों को भेजा

बच्चों को पढ़ाए कि दूसरी जगहों पर प्रेरितो को भेजने का महत्व।

प्रार्थना: परमेश्वर, वचन को उस जगह पर ले जा हमारी सहायता कर जहां लोग इसे नहीं जानते, फिर भी यीशु उनके गुनाह माफ करके उनकी जिन्दगी में खुशी लाएगा।

बच्चो की उम्र और जरूरत के अनुसार सीखने की गतिविधि याँ चुनिये।

लूका अध्याय 10:1–20 पढ़े कि कैसे यीशु ने बाहत्तर प्रेरितो को भेजा जो प्रभु के राज्य का प्रचार करें। इससे मालूम पड़ता है कि कैसे यीशु ने उनको छोटे समूह में प्रशिक्षण दिया कि उसकी सेवकाई को आगे बढ़ाए ताकि वचन संसार के सब देशों में फैल जाए।

अध्यापक या बड़ा बच्चा लूका 10:1–20 से कहानी का वर्णन करें।

यह प्रश्न पूछें *(पद सरंव्या उत्तर सहित हर प्रश्न के बाद है)*

- हर समूह में कितने कार्यकर्ता गए *(पदा, उसने दो दो करके भेजे)*
- उन्होने पहले किस बात की प्रार्थना की *(पद 2)*
- क्या वह नम्र होकर गए या लड़ाई की भावना से *(पद 3)*
- वह कितनी सामग्री लेकर गए *(पद 4, यीशु चाहते थे कि वे कम से कम लेकर गए)* ताकि प्रभु सामान पर भरोसा करे।
- क्या वह मार्ग में रूककर दोस्तो से मिले *(पद 4)*
- क्या वह उस घर में रूके रहे जिन्होने शान्तिपूर्वक उनका स्वागत किया *(5–8)*
- जब वह लोगो से मिले तो उन्होंने कौन से दो काम किए *(पद 9)*
- यीशु ने उनसे क्या करने को कहा यदि लोग सुसमाचार का इनकार करें।
- जब चेले यीशु की आज्ञा मानने लगे तो शैतान की ताकत का क्या हुआ *(18)*
- यीशु ने जो कहा वह ज्यादा महत्वपूर्ण है न कि दुष्ट आत्माओं का बाध्य होना *(20)*

सत्तर चेलो की कहानी का नाटक प्रस्तुत करें। कलीसियाई प्रार्थना के अगुवे के साथ मिलकर बच्चो को यह नाटक करने दें। बड़े बच्चें छोटे बच्चो की सहायता करें।

- बड़ें बच्चे और पुरूष यीशु, शत्रु और वर्णनकर्त्ता का अभिनय करें। यह अच्छा होगा कि पुरूष शत्रु का पात्र करे।
- जवान बच्चे धन्या कहता है, जब परमेश्वर से मजदूरों को भजने को कहा''

वर्णनकर्त्ता: लूका 10:1–16 से कहानी का पहला भाग बताए। फिर बोले ''सुनो यीशु ने अपने शिष्यो से क्या कहा जब उन्होने परमेश्वर से मजदूर को भेजने को कहा।''

यीशु: दो के झुण्ड में जाओ। सावधान रहो धोखेबाजो से बचो। सुसमाचार प्रचार करो, बीमारो को चंगा करो। प्रत्येक शहर मे मेरे आगमन का प्रचार करो। प्रभु का राज्य निकट है।

चेले: हम अपने साथ क्या लेकर जाएँ।

यीशु: कम से कम लेकर जाना। मार्ग में किसी से नहीं मिलना 1 वचन जरूरी है।

चेले: हम कहाँ ठहरें।

यीशु: शक्ति का मनुष्य ढूंढो, जब तक उस शहर में हो वही ठहरो और उसका दिया हुआ खाना खाओ।

चेले: अगर लोग हमे स्विकार न करे तो हम क्या करें।

यीशु: अगर आपने संदेश स्पष्ट दिया है, तो भी वह तुम्हें अस्वीकार करते है, तब दूसरी जगह चले जाओ।

चेले: ये कहते हुए जोड़े में जाओ ''सुसमाचार सुनो'' यह तुम्हारी जिन्दगी बदल देगा। यीशु के नाम में चंगांई पाओ।

शत्रु: मेरा नाम शत्रु है। मैं लोगों से घृणा करता हूँ।

चेलो के पीछे चलो और अपने शब्दो में कहो:

दो के झुण्ड में मत जाओ। बड़े झुण्ड में रहो क्योंकि यह सुरक्षित है।

अपने साथ बहुत सारा सामान लेकर चलो इससे लोग प्रभावित होगें।

अपने साथ बहुत सा भोजन लो।

रास्ते में अपने मित्रो से मिलो।

एक ही घर में नहीं रूको। वह जगह ढूँढो जहां खाना बेहतर हो।

यदि वह तुम्हारा सन्देश स्वीकार न करे तो हिम्मत न हारो बल्कि दबाव डाले।

यदि किसी ने वचनएक बार सुनलिया तो उसको दुबारा वचन सुनाना गलत है सरलता से वचन का अंश उनके दरवाजे पर छोड़ जाओ।

चेले: शत्रु ने जो बाते कही, यीशु ने उसके विपरित कहा।

वर्णनकर्त्ता: लूका 10:17-23 से कहानी का दूसरा भाग बताएँ। फिर कहें ''सुनो जब चेले लौटकर आए तो उन्होंने यीशु से क्या कहा।

चेले: प्रभु यीशु, हम प्रसन्न हैं । आपके नाम में शक्ति है। आपके अधिकार के द्वारा हमनें लोगो को चंगा किया। आपकी सामर्थ हमें देने के लिए धन्यवाद। हमने दृष्टात्माओं को भी बाँध दिया।

यीशु: सामर्थी होने पर प्रसन्न नही परन्तु तुम्हारे नाम स्वर्ग मे लिखें जाएँ।

(प्रार्थना) पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आप उन लोगों के द्वारा काम करते हैं जो बच्चों से भी कमजोर है। मैंने अपनी सामर्थ और सच्चाई उन लोगों को दे दी जिनके विषय में तुमने मुझसे कहा।

वर्णनकर्त्ता: उन सबका धन्यवाद जिन्होने सहायता की

प्रश्न:अगर बच्चें यह कहानी बड़ो के लिए प्रस्तुत करें, तो उन्हे बड़ो से प्रश्न पूछने दे जो पृष्ठ एक पर है।

बच्चे दो व्यक्तियों का **चित्र बनाए** जो सड़क पर चल रहें है। बच्चे उसकी नकल करें। बच्चे इस चित्र को बड़ो को आराधना के समय दिखायें और बताए कि कैसे हम सुसमाचार को उन लोगो तक ले जाते है जो दूसरी जगहों में रहते है।

विचार करो कि हम लोगो को यीशु को आज्ञा मानना कैसे सिखा सकते हैं।

कविता: दो बच्चे यशायाह अध्याय 52:7-8 बारी-से बारी पढ़े।

और चार बच्चे यशायाह 52:7-10 बारी-से बारी पढ़ें।

बडे बच्चे लूका 10: 2 और कोई अन्य पद लूका अध्याय 10 पर से कविता या गाना यीशु के शब्दो पर अधारित हो, लिखें।

मरकुस अध्याय 1:15 याद करें।

प्रार्थना: पिता, हमारी सहायता करें कि हम यीशु का शुभ-संदेश दूसरे लोगो तक पहुंचा सके। हमें सांसारिक बननें मे हमारी सहायता कर। जिस तरह चेलो ने तेरे नाम की महिमा दी, वैसे ही हम भी महिमा दें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net